NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 10

Chapter Name : एक फूल की चाह

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

Q. 1. कविता की उन पँक्तियों को लिखिए, जिनसे निम्नलिखित अर्थ का बोध होता है –

(i) सुखिया के बाहर जाने पर पिता का हृदय काँप उठता था।

....

....

....

....

(ii) पर्वत की चोटी पर स्थित मंदिर की अनुपम शोभा।

....

....

....

....

(iii) पुजारी से प्रसाद/फूल पाने पर सुखिया के पिता की मनःस्थिति।

....

....

....

....

(iv) पिता की वेदना और उसका पश्चाताप।

aglasem.com

....

....

....

....

2. बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?

3. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया?

4. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी को किस रूप में पाया?

5. इस कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए ।

Answer

1 (i) सुखिया के बाहर जाने पर पिता का हृदय काँप उठता था।

मेरा हृदय काँप उठता था

बाहर गई निहार उसे

यही मनाता था कि बचा लूँ

किसी भाँति इस बार उसे।

1 (ii) पर्वत की चोटी पर स्थित मंदिर की अनुपम शोभा

ऊँचे शैल-शिखर के ऊपर

मंदिर था विस्तीर्ण विशाल

स्वर्ण-कलश सरसिज विहसित थे

पाकर समुदित रवि-कर जाल।

1 (iii) पुजारी से प्रसाद-फूल पाने पर सुखिया के पिता की मन स्थिति।

भूल गया उसका लेना झट,

परम लाभ-सा पाकर मैं।

aglasem.com

सोचा,-बेटी को माँ के ये

पुण्य-पुष्प दूँ जाकर मैं।

1 (iv) पिता की वेदना और उसका पश्चाताप।

अंतिम बार गोद में बेटी,

तुझको ले न सका मैं हा!

एक फूल माँ का प्रसाद भी

तुझको दे न सका मैं हा!

2. बीमार बच्ची सुखिया ने अपने पिता के सामने यह इच्छा प्रकट की, कि वह देवी मां के मंदिर के प्रसाद का फूल चाहती हैं।

3 . सुखिया का पिता उस वर्ग से संबंधित था, जिसे समाज अछूत समझता था। समाज के कुलीन तथा कथित भक्तों ने इस वर्ग के लोगों का मंदिर में जाना भी वर्जित कर रखा था। सुखिया के पिता अपनी बेटी की इच्छा को पूरी करने के लिए मंदिर के अंदर चला गया। मंदिर के अंदर जाने, मंदिर की पवित्रता नष्ट करने और देवी का अपमान करने का आरोप लगाकर उसे सात दिन का कारावास देकर दंडित किया गया।

aglasem.com

4. जेल से बाहर आने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को राख की ढेरी के रूप में पाया। क्योंकि उसकी मृत्यु हो गई थी। अतः उसके रिश्तेदारों ने उसका दाह संस्कार कर दिया था।

5. 'एक फूल की चार' कविता में समाज में फैले वर्ग भेद, ऊँच-नीच और छुआछूत की समस्या को बताया गया हैं। समाज को दो भागों में बाँटा गया- एक तथाकथित कुलीन एवं उच्च वर्ग दूसरा अछूत वर्ग समझा जाने वाला निम्न वर्ग। एक अछूत की बच्ची बुखार में तपती अर्ध बेहोशी की हालात में जो महामारी की शिकार हुई थी, अपने पिता से देवी का प्रसाद का फूल लाने को कहती है। उसके पिता जब मंदिर गये तो उन्हें पकड़ कर दंडित किया गया। इसी बीच उसकी पुत्री मर जाती है और जला दी जाती है। इस प्रकार

अछूतों के मंदिरों में प्रवेश, उच्च वर्ग द्वारा निम्न वर्ग पर अन्याय, पिता-पुत्री का अंतिम मिलन न हो पाने की वेदना कविता का केंद्रीय भाव हैं।

Page : 95 , Block Name : प्रश्न-अभ्यास

Q. इस कविता में से कुछ भाषिक प्रतीकों/बिंबों को
छाँटकर लिखिए –

उदाहरण : अंधकार की छाया

(i) ....
(ii)............................... (iii) ....
(iv) ....

(v) ....

Answer -
(i) कितना बड़ा तिमिर आया
(ii) स्वर्ण-घनों में कब रवि डूबा
(iii) जलते से अंगारे
(iv) विस्तीर्ण विशाल
(v) हुई राख की थी ढेरी

Page : 96 , Block Name : प्रश्न-अभ्यास

Q निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए का अर्थ-सौंदर्य बताइए -

Q1. अविश्रांत बरसा कर के भी

आँखें तनिक नहीं रीतीं

Q2. बुझी पड़ी थी चिता वहाँ पर

छाती धधक उठी मेरी

Q3. हाय! वही चुपचाप पड़ी थी

अटल शांति-सी धारण कर

aglasem.com

Q4. पापी ने मंदिर में घुसकर

किया अनर्थ बड़ा भारी

Answer

1.इन पंक्तियों में यह बताया गया हैं कि सुखिया के पिता लगातार सात दिनों से रो रहे थे। उनके आँसू बंद होने का नाम नहीं ले रहे थे।

अर्थ सौंदर्य : इन पंक्तियों में एक पिता की दशा का वर्णन किया है। बादल भी बरसकर थम जाया करते है परंतु

सुखिया के पिता के आँसू रूक ही नहीं रहे थे।

Page : 96 , Block Name : प्रश्न-अभ्यास

2. यह पंक्तियाँ यह बतलाती है कि भले ही बेटी की चिता जल कर बुझ चुकी है परंतु पिता की वेदना अब भी जल रही है

अर्थ सौंदर्य : इन पंक्तियों में बेटी की चिता का जलना परंतु पिता के अंदर जलती वेदना चिता का अच्छा वर्णन किया है।

3.जब सुखिया का बुखार आया था, तो वह बिस्तर पर पड़ी रहती इन पंक्तियों में यही समझाया हैं।

अर्थ सौंदर्य : यहाँ पर अर्थ सौंदर्य यह है कि एक लड़की जो बड़े ही चंचल स्वभाव की थी आज वह बिल्कुल चुपचाप

लेटी हुई थी।

Page : 96 , Block Name : प्रश्न-अभ्यास

4. यह पंक्तियाँ बताती हैं कि जब सुखिया के पिता मंदिर में गए तो लोगों ने उसे घोर अनर्थ बताकर उनका बहुत अपमान किया था।

aglasem.com

अर्थ सौंदर्य : इन पंक्तियों का सौंदर्य यह हैं कि जिस व्यक्ति ने कोई पाप नहीं किया उसके छोटे से कृत्य को भी अनर्थ बताया गया।

Page : 96 , Block Name : प्रश्न-अभ्यास

योग्यता विस्तार

Q1. 'एक फूल की चाह' एक कथात्मक कविता है | इसकी कहानी को संक्षेप में लिखिए |

2. 'बेटी' पर आधारित निराला की रचना 'सरोज-स्मृति' पढ़िए |

3. तत्कालीन समाज में व्याप्त स्पृश्य और अस्पृश्य भावना में आज आए परिवर्तनों पर एक चर्चा आयोजित कीजिए |

1.छात्र स्वयं करें |

2. छात्र स्वयं करें |

3. छात्र स्वयं करें |

Page : 96 , Block Name : योग्यता विस्तार

aglasem.com